UP Board Solutions Class 6 Agricultural Science Chapter 7 मुख्य फसलों की खेती

अभ्यास

1.सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगायें

1)धान की खेती होती है–

क) खरीफ(✓)

ख) रबी

ग) जायद

घ) इनमें से कोई नहीं

2)धान की नर्सरी लगायी जाती है–

क) मई के अंतिम सप्ताह में(✓)

ख) जून के अंतिम सप्ताह में

ग) जुलाई के प्रथम सप्ताह में

घ) इनमें से कोई नहीं

3) खरीफ की प्रमुख फसल है–

क) धान(✓)

ख) गेहूँ

ग) चना

घ) मटर

4) धान की सीधी बुवाई में प्रजाति का प्रयोग करते हैं-

क) साकेत – 4(✓)

ख) सरजू-52

https://www.evidyarthi.in/

ग) आई आर – 8

घ) उपर्युक्त सभी

5) सुगंधित धान की प्रजाति है-

क) टा-3

ख) बासमती-370

ग) पूसा बासमती – 1

घ) उपर्युक्त सभी(✓)

6) मक्का की खेती की जाती है-

क) खरीफ

ख) रबी

ग) जायद

घ) उपर्युक्त सभी में(✓)

7) मक्का की खेती के लिए उपयुक्त भूमि होती है-

क) दोमट(✓)

ख) चिकनी मिट्टी

ग) भावर मिट्टी

घ) इसमें से कोई नहीं

8) संकर मक्का की प्रजाति है–

क) गंगा – 2

ख) गंगा – 11

ग) डेकन – 107

घ) उपर्युक्त सभी(✓)

9) संकुल मक्का की प्रजाति है–

https://www.evidyarthi.in/

क) नवीन

ख) कंचन

ग) श्वेता

घ) उपर्युक्त सभी(✓)

10) उड़द फसल है–

क) दलहनी(✓)

ख) तिलहनी

ग) दलहनी एवं तिलहनी दोनों

घ) उपर्युक्त कोई नहीं

11) कुफरी चन्द्रमुखी प्रजाति है–

क) मक्का

ख) आलू(✓)

ग) मूंग

घ) अरहर

12) सरसों में तेल पाया जाता है–

क) 30 – 40%✓

ख) 20 – 22%

ग) 10 – 12%

घ) इसमें से कोई नहीं

13) अरहर की उपज होती है–

क) 20-25 कुन्तल प्रति हेक्टेयर(✓)

ख) 34-66 कुन्तल प्रति हेक्टेयर

ग) 35-40 कुन्तल प्रति हेक्टेयर

https://www.evidyarthi.in/

घ) उपर्युक्त सभी ठीक है।

14) आलू की फसल तैयार होती है-

क) 120-125 दिन में(✓)

ख) 230-235 दिन में

ग) 215-220 दिन में

घ) उपर्युक्त सेकोई नहीं

15) गेहूँ के अच्छे उत्पादन हेतु भूमि की आवश्यकता होती है–

क) दोमट मिट्टी(✓)

ख) बलुई दोमट मिट्टी

ग) चिकनी मिट्टी

घ) इसमें से कोई नहीं

2.रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1)धान **खरीफ** की फसल है।

2)रोपाई के लिए धान की उपयुक्त प्रजाति **नरेन्द्र-97** अच्छी है।

3) सुगंधित धान की उपयुक्त प्रजाति**टा-3** है।

4) एक हेक्टेयर नर्सरी में जिंक सल्फेट**5**किग्रा प्रयोग किया जाता है।

5) धान की रोपाई **3-4** सेमी गहराई पर करते हैं।

6)देशी मक्का की बीज दर **18 से 20** किग्रा प्रति हेक्टेयर है।

7)सोयाबीन में **38 से 40** % प्रोटीन पायी जाती है।

8) गेहूँ की फसल में **5-6 बार** सिंचाई की आवश्यकता होती है।

9)सम्राट**मूंग**की प्रजातिहै।

10) अरहर की बुवाई **.....** सेमी गहराई पर की जाती है।

3.निम्नलिखित कथनों में सही के सामने सही (✓) तथा गलत के सामने गलत (×) का निशान लगाइए–

https://www.evidyarthi.in/

1) धान की खेती केवल रोपाई विधि द्वारा की जाती है। **(×)**

2) धान की नर्सरी में खैरा रोग से बचाव हेतु जिंक का प्रयोग आवश्यक है। **(✓)**

3) एक हेक्टेयर धान की नर्सरी से 15 हेक्टेयर क्षेत्र में रोपाई की जा सकती है। **(✓)**

4) देशी मक्का का बीज दर संकुल मक्का से कम होता है।**(✓)**

5) मक्का की खेती के लिए उपयुक्त भूमि दोमट होती है।**(✓)**

6)मक्का तीनों ऋतुओं में उगायी जाती है।**(✓)**

7)संकर एवं संकुल मक्का के लिए 80 किग्रा नाइट्रोजन का प्रयोग किया जाता है।**(×)**

8)मक्का की फसल को गिरने से बचाने के लिए मिट्टी चढ़ाना आवश्यक है।**(✓)**

9)अलंकार उड़द की प्रजाति है।**(×)**

10) सरसों से तेल निकाला जाता है। **(✓)**

11) उड़द की फसल में राइजोबियम कल्चर का प्रयोग करना चाहिए। **(✓)**

12)गेहूँ में प्रोटीन नहीं पाया जाता है।**(×)**

4.निम्नलिखित में स्तम्भ 'क' को स्तम्भ 'ख' से सुमेल कीजिए-

उत्तर–

स्तम्भ 'क'	**स्तम्भ 'ख'**
1)नर्सरी मेंकीड़े से बचाव हेतु	कीटनाशी का प्रयोग
2)नर्सरी में बीमारी से बचाव हेतु	कवकनाशी का प्रयोग
3)खरपतवार नियंत्रण हेतु	पेंडा मेथिलिन
4)खैरा रोग हेतु	जिंक सल्फेट
5)टिड्डा	कीट
6)झुलसा	बीमारी
7)गंगा-11	प्रजाति
8)एट्राजिन	खरपतवार नाशक दवा

https://www.evidyarthi.in/

9) गेहूँ	वैशाली
10)गेहूंसा	खरपतवार
11) किट्ट या रस्ट	बीमारी

5.1) सिंचित दशा में धान की फसल में नाइट्रोजन की मात्रा बताइए।

उत्तर-

120 किग्रा॰ प्रति हेक्टेयर

2) सुगन्धित धान की दो प्रजातियों के नाम लिखिए।

उत्तर-

बासमती-370, पूसाबासमती-1

3) धान की रोपाई के समय नाइट्रोजन की कितनी मात्रा प्रयोग करनी चाहिए।

उत्तर-

60 किग्रा प्रति हेक्टेयर

4) धान की उन्नतशील फसल के लिए फॉस्फोरस की मात्रा बताइए।

उत्तर-

50 किग्राप्रति हेक्टेयर

5) महीन धान की नर्सरी के लिए बीज की प्रति हेक्टेयर मात्रा बताइए।

उत्तर :

30 किग्राप्रति हेक्टेयर

6) एक हेक्टेयर धान की नर्सरी से कितने हेक्टेयर क्षेत्रफल की रोपाई की जाती है?

उत्तर :

15 हेक्टेयर

7) नर्सरी में खैरा रोग से नियन्त्रण हेतु कितनी जिंक सल्फेटप्रति हेक्टेयर प्रयोग की जाती है?

उत्तर-

https://www.evidyarthi.in/

5 किग्रा०

8) धान की रोपाई के समय एक स्थान पर कितने पौधे लगाए जाते हैं?

उत्तर-

2-3 पौधे

9) संकर मक्का की दो प्रजातियों का नाम बताइए।

उत्तर-

गंगा-2, गंगा-11

10) देशी मक्का की बुवाई के लिए बीज की प्रति हेक्टेयर मात्रा बताइए।

उत्तर-

18-20 किग्रा०प्रति हेक्टेयर

11) संकर एवं संकुल प्रजातियों के लिए बीज की प्रति हेक्टेयर कितनी मात्रा प्रयोग की जाती है।

उत्तर-

20-25 किग्रा० प्रति हेक्टेयर

12) मक्के की बुवाई कितनी गहराई पर करते हैं?

उत्तर-

5 सेमी०

13) मक्के के खेत में दीमक के नियन्त्रण हेतु किस कीटनाशक का प्रयोग किया जाता है?

उत्तर-

लिंडेन

14) गेहूँ की अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए नाइट्रोजन की कितनी मात्रा प्रयोग करनी चाहिए?

उत्तर-

120 किग्रा प्रति हेक्टेयर

15) गेहूँ की फसल के लिए नाइट्रोजन फॉस्फोरस एवं पोटाश की मात्रा प्रति हेक्टेयर बताइए।

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर-

नाइट्रोजन-120 किग्रा

फॉस्फोरस- 60 किग्रा

पोटाश- 40 किग्रा

16) उड़द को बुवाई से पूर्व किस रसायन से उपचारित करते हैं?

उत्तर-

बुवाई से पूर्व बीज को थायरम से उपचारित करते हैं।

17) मूंग की बुवाई के लिए प्रति हेक्टेयर कितने किलोग्राम बीज की आवश्यकता होती है?

उत्तर-

मूंग की बुवाई के लिए बीज-

जायद की फसल हेतु 30 से 35 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर और खरीफ की फसल हेतु 20 से 25 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीच पर्याप्त होता है।

18) सरसों की बुवाई का उपयुक्त समय बताइये।

उत्तर-

सरसों की बुवाई काउपयुक्त समय सितम्बर से अक्टूबर है।

6.धान की नर्सरी तैयार करने की विधि बताइए।

उत्तर-

धान कीनर्सरी-

एक हेक्टेयर क्षेत्रफल की रोपाई के लिए महीन धान का 30 किग्रा०, मध्यम धान का 35 किग्रा० और मोटे धान का 40 किग्रा बीज पौधा तैयार करने के लिए पर्याप्त होता है नर्सरी में पौधों की उचित बढ़वार के लिए 100 किग्रा नाइट्रोजनऔर 50 किग्रा फॉस्फोरसप्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करना चाहिए। नर्सरी में खैरा रोग केनियन्त्रण हेतु 5 किग्रा० जिंक सल्फेट का 2% यूरिया के साथ घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करना चाहिए। नर्सरी में कीड़ों के बचाव हेतु क्लोरोपाइरीफास 20 ई.सी.का 1.5 लीटर को 800 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए।

7.धान की रोपित फसल में फसल सुरक्षा के क्या उपाय किए जाते हैं?

उत्तर-

https://www.evidyarthi.in/

फसल सुरक्षा केउपाय–

धान के खेत में रोपाई से कटाई तक विभिन्न प्रकारके कीड़े व रोग लगते हैं।फसलों को कीड़ों और रोगो से बचाने के लिए विभिन्न प्रकार के उपायकिए जाते हैं-

1.खेत को खरपतवार से मुक्त रखते हैं।

2. फसलों को विभिन्न प्रकार के कीड़ों तथा रोगों से बचाने के लिए समय-समयपर विभिन्न प्रकार के रसायनों का प्रयोगकरते हैं।

8.धान की फसल में खाद एवं उर्वरक की मात्रा प्रति हेक्टेयर बताइए तथा देने की विधि भी लिखिए।

उत्तर-

धान की फसल में उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर किया जाता है। **सिंचित दशा-**

इस स्थिति में नाइट्रोजन 120 किग्रा०, फॉस्फोरस 60 किग्रा० तथा पोटाश 60 किग्रा० प्रति हेक्टेयर देना चाहिए। नाइट्रोजन की आधी मात्रा और फॉस्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा रोपाई के एक या दो दिन बाद खेत में देना चहिए। नाइट्रोजन की शेष मात्रा कोबराबरदो भागों मेंबांटकरकल्ले निकलते समय औरबाली निकलने से पूर्व छिड़क करदेना चाहिए।

सीधी बुवाई में–

अधिकउपज देनेवाली प्रजातियों में नाइट्रोजन 100 किग्रा, फॉस्फोरस 50किग्रा तथा पोटाश 50 किग्रा प्रति हेक्टेयर दिया जाता है। नाइट्रोजन की एक चौथाई मात्रा और फॉस्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा कूड़ में बीज के नीचे डालना चाहिए। नाइट्रोजन का दो चौथाई भाग कल्ले फूटते समय तथा शेष एक चौथाई भाग बाली बनने से पूर्व प्रयोग करना चाहिए।

9.मक्का में लगने वाले रोग एवं उनसे बचाव के उपाय लिखिए।

उत्तर-

मक्का में लगने वाले रोग तथा बचाव के उपाय-

पत्तियोंका झुलसारोग-

मक्का में पत्तियों का झुलसा रोग लगता है। इसके उपचार हेतु 2.0-2.5किग्रा इंडोफिल एम-45 को 800-1000 लीटरपानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर 2-3 छिड़काव करना चाहिए।

तना सड़न

इस रोग का प्रभाव दिखाई देने पर15 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइक्लिन को 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से रोग को नियंत्रितकिया जासकता है।

https://www.evidyarthi.in/

10.मक्का की फसल में खाद एवं उर्वरक की मात्रा प्रति हेक्टेयर एवं प्रयोग करने की विधि का वर्णनकीजिए।

उत्तर-

संकर एवं संकुल प्रजातियों के लिए 120 किलोग्राम नाइट्रोजन,60 किलोग्राम फॉस्फोरस तथा 60 किलोग्राम पोटाश एवं देशी प्रजातियों के लिए 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 30 किलोग्रामफॉस्फोरस तथा 30 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। बुवाई के समय नाइट्रोजन की आधी तथा फॉस्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा कूड़ो में बीजके नीचे डालना चाहिए।शेष नाइट्रोजन का दो बार में बराबर-बराबर मात्रा में छिड़काव करना चाहिए।पहला छिड़कावनिराईके तुरंत बाद एवं दूसरानर मंजरी निकलते समय करना चाहिए।

11.सोयाबीन से कौन-कौन से व्यंजन तैयार किए जाते हैं?

उत्तर-

सोयाबीन से सोया पनीर,सोयापुलाव,मगौड़ी, बड़ियाँ इत्यादि तैयार किए जाते हैं।

12.सोयाबीन की फसल में खाद एवं उर्वरक की आवश्यकता एवं प्रयोग करने की विधि लिखिए।

उत्तर-

सोयाबीन की अच्छी पैदावार हेतु 15-20 किंग्रा नाइट्रोजन, 40-60 किग्रा फॉस्फोरस और 30-40 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए हैं। उर्वरक की पूरी मात्रा अंतिम जुताई पर हल के पीछे कूड़ों में 6-7 सेमी गहराई पर डालनी चाहिए।

13.गेहूं की खेती के लिए खाद एवं उर्वरक की मात्रा तथा प्रयोग करने की विधि कावर्णन कीजिए।

उत्तर-

गेहूँ खेती के लिए खाद एवं उर्वरक की मात्रातथाप्रयोग करनेकी विधि–

गेहूँ कीफसल के लिए 120 किग्रा नाइट्रोजन, 60 किग्रा फॉस्फोरस और 40 किग्रा पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए।फॉस्फोरसतथापोटाशकी सम्पूर्ण मात्रा औरनाइट्रोजन की आधी मात्रा बुवाईके समय बीज के साथ 5 सेमी गहराई पर देनाचाहिए तथा शेष नाइट्रोजन को दो भागों में बॉटकर कल्ले निकलते समय तथाबालिया बनते समय देना चाहिए। नाइट्रोजन प्रायः शाम के समय खड़ी फसल में दियाजाता है। सिंचाई के बाद खेत मेंपैर रखनेपर जबहल्का निशान बने तोउर्वरक देने का सही समय होता है।

14.मटर की सिंचित असिंचित क्षेत्र में खेती हेतु उर्वरक की मात्रा एवं प्रयोग विधि का वर्णन कीजिए।

उत्तर-

मटर की खेती में कम्पोस्ट खाद देने के बाद 20 किग्रा नाइट्रोजन,60 किग्रा फॉस्फोरस तथा 40 किग्रापोटाश एवं 20 किग्रागंधक प्रति हेक्टेयर की दर से बीजकेनीचेकूंड़में डालना चाहिए।

15.मटर की फसल में लगने वाले महत्त्वपूर्ण कीड़ों एवं बचाव के उपाय बताइए।

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर-

मटर की फसल में लगने वालेकीड़े एवं बचाव के उपाय-

तने कीमक्खी, पत्ती सुरंगक और फली बेधकमटरकेप्रमुखकीटहै।इनकीटों से बचाव के लिए फसल की समय से बुवाई करना चाहिए। फली बेधक कीट को नियंत्रित करने के लिए मोनोक्रोटोफॉस 36एस.एल. की 1 लीटर मात्रा या क्विनालफास 25 ई.सी. की 2 लीटर मात्रा को 500 से 600 लीटर पानी में घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करना चाहिए।

16.गेहूँ की फसल में सिंचाई प्रबन्धन का वर्णन कीजिए।

उत्तर-

सामान्यतः गेहूँ में 5-6बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई गेहूँबोने के 20-25 दिन बाद करनी चाहिए।यहमहत्त्वपूर्ण सिंचाई है इसके बाद आवश्यकतानुसार सिंचाई करते रहना चाहिए। अंतिम सिंचाई से पहले वाली सिंचाई दूधिया अवस्था में करनी चाहिए। अन्त में हल्की सिंचाई दाना पकते समय रात में करनी चाहिए।

https://www.evidyarthi.in/